



Sattu

21 Jan 2026

10:45 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121008206

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 21/01/2026
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 22:45:00 घंटे
इष्ट _____: 38:47:09 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 22:23:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:11:14 घंटे
साम्पातिक काल _____: 06:28:12 घंटे
सूर्योदय _____: 07:14:08 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:51:02 घंटे
दिनमान _____: 10:36:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 07:27:10 मकर
लग्न के अंश _____: 11:59:17 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: कुम्भ - शनि
नक्षत्र-चरण _____: शतभिषा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: राहु
योग _____: वरियान
करण _____: गर
गण _____: राक्षस
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कुम्भ

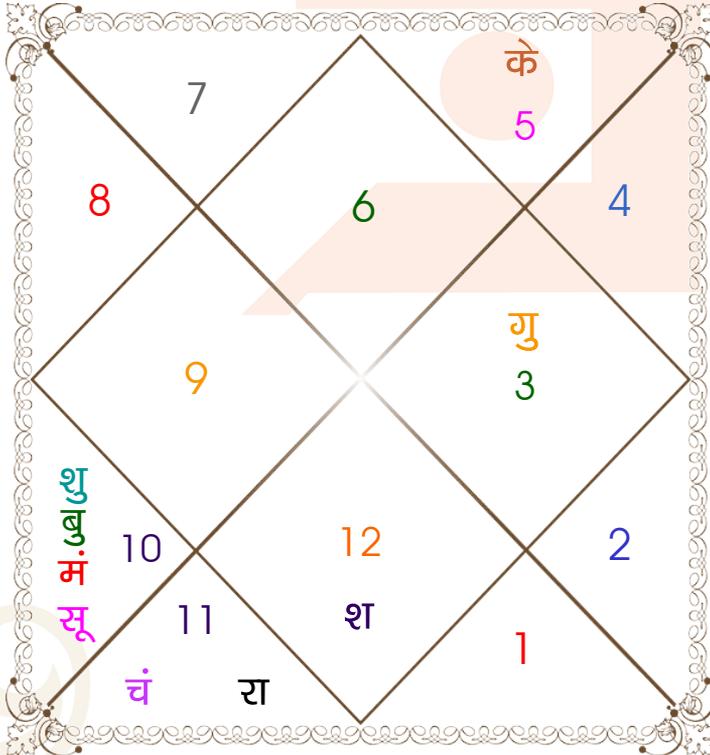
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:59:17	317:46:59	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मक	07:27:10	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	11:25:33	13:02:38	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल	अ		मक	04:28:41	00:46:43	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध	अ		मक	07:29:33	01:40:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:22:40	00:07:42	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	अ		मक	11:02:35	01:15:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:27:44	00:05:13	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:51:04	00:03:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:51:04	00:03:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:18:53	00:00:42	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:39:19	00:01:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:08:43	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	12:15:04	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

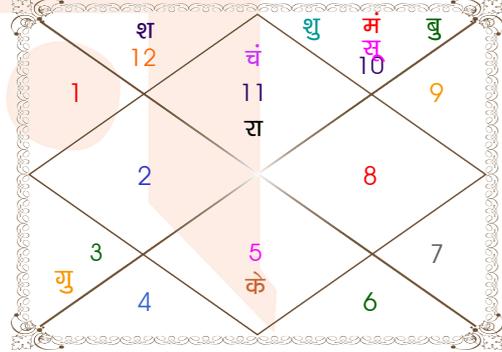
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

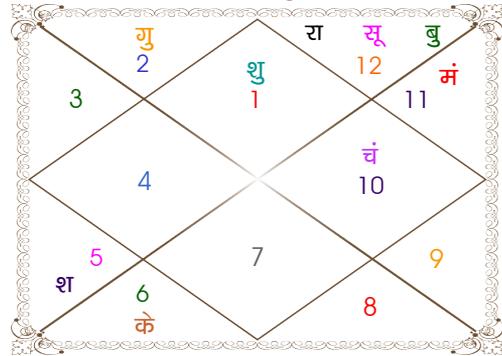
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 11 वर्ष 6 मास 27 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
21/01/2026	19/08/2037	19/08/2053	19/08/2072	19/08/2089
19/08/2037	19/08/2053	19/08/2072	19/08/2089	19/08/2096
00/00/0000	गुरु 07/10/2039	शनि 22/08/2056	बुध 16/01/2075	केतु 15/01/2090
21/01/2026	शनि 20/04/2042	बुध 02/05/2059	केतु 13/01/2076	शुक्र 18/03/2091
शनि 02/08/2027	बुध 26/07/2044	केतु 10/06/2060	शुक्र 13/11/2078	सूर्य 23/07/2091
बुध 18/02/2030	केतु 02/07/2045	शुक्र 11/08/2063	सूर्य 19/09/2079	चंद्र 21/02/2092
केतु 08/03/2031	शुक्र 02/03/2048	सूर्य 23/07/2064	चंद्र 18/02/2081	मंगल 20/07/2092
शुक्र 08/03/2034	सूर्य 19/12/2048	चंद्र 21/02/2066	मंगल 15/02/2082	राहु 07/08/2093
सूर्य 31/01/2035	चंद्र 20/04/2050	मंगल 02/04/2067	राहु 03/09/2084	गुरु 14/07/2094
चंद्र 01/08/2036	मंगल 27/03/2051	राहु 06/02/2070	गुरु 10/12/2086	शनि 23/08/2095
मंगल 19/08/2037	राहु 19/08/2053	गुरु 19/08/2072	शनि 19/08/2089	बुध 19/08/2096

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
19/08/2096	20/08/2116	21/08/2122	20/08/2132	21/08/2139
20/08/2116	21/08/2122	20/08/2132	21/08/2139	00/00/0000
शुक्र 20/12/2099	सूर्य 08/12/2116	चंद्र 21/06/2123	मंगल 16/01/2133	राहु 03/05/2142
सूर्य 20/12/2100	चंद्र 08/06/2117	मंगल 20/01/2124	राहु 04/02/2134	गुरु 26/09/2144
चंद्र 21/08/2102	मंगल 14/10/2117	राहु 21/07/2125	गुरु 11/01/2135	शनि 22/01/2146
मंगल 21/10/2103	राहु 08/09/2118	गुरु 20/11/2126	शनि 19/02/2136	00/00/0000
राहु 20/10/2106	गुरु 27/06/2119	शनि 20/06/2128	बुध 16/02/2137	00/00/0000
गुरु 20/06/2109	शनि 08/06/2120	बुध 20/11/2129	केतु 15/07/2137	00/00/0000
शनि 20/08/2112	बुध 14/04/2121	केतु 21/06/2130	शुक्र 14/09/2138	00/00/0000
बुध 21/06/2115	केतु 20/08/2121	शुक्र 19/02/2132	सूर्य 20/01/2139	00/00/0000
केतु 20/08/2116	शुक्र 21/08/2122	सूर्य 20/08/2132	चंद्र 21/08/2139	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 11 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृत्ति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात् प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उदमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृत्ति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात् प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेंगे। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात् सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत्त कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाएँ।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृत्ति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात् मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के हासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएँगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्णकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होंगे। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरुचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार हैं। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय हैं।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल हैं।

